भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2790
दिनांक 12 अगस्त, 2026 / 21 श्रावण, 1948 (शक) को उत्तर के लिए

जनगणना 2027 हेतु प्रारंभिक गतिविधियां

2790 डॉ. रामराव सखाराम वडकुतेः
श्री बृज लालः
श्री मयंककुमार नायकः
डा. कल्पना सैनीः
श्री विनोद श्रीधर तावड़ेः
डा. मेधा विश्राम कुलकर्णीः
श्री एस. सेल्वागनबेथीः
श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाणः
श्री भाष्यम् रामा कृष्णाः
डा. परमार जशवंतसिंह सालमसिंहः
श्री उज्जवल देवराव निकमः
डा. कविता पाटीदारः
श्री सुरेन्द्र सिंह नागरः
डा. दिनेश शर्माः

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मकानों के सूचीकरण और आवास जनगणना सहित जनगणना 2027 की प्रारंभिक तैयारियां सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में शुरु हो गई हैं;

(ख) जनगणना, 2027 हेतु डिजिटल अवसंरचना और स्व-गणना सुविधाओं की राज्य-वार स्थिति क्या है;
(ग) क्या जनगणना कार्यकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं;
(घ) क्या जनगणना संबंधी गतिविधियों के लिए राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों को कोई धनराशि जारी की गई है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री नित्यानंद राय)

(क) से (ग): जी हां, महोदय। जनगणना 2027 का पहला चरण यानी मकान सूचीकरण और मकानों की गणना 31 राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्रों में पूरा हो चुका है। शेष राज्यों में जनगणना का पहला चरण सितंबर,

राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2790, दिनांक 12.08.2026

2026 तक पूरा होने वाला है। इसके अलावा, भारत के राजपत्र में दिनांक 3 अगस्त, 2026 के माध्यम से भारत की जनगणना, 2027 का दूसरा चरण यानी जनसंख्या गणना का संचालन संघ राज्यक्षेत्र लद्दाख और संघ राज्यक्षेत्र जम्मू-कश्मीर के हिमाच्छादित असमकालिक क्षेत्रों और हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड राज्यों के हिमाच्छादित असमकालिक क्षेत्रों में 1 सितंबर, 2026 से 30 सितंबर, 2026 तक किया जाएगा, साथ ही इसका पुनरीक्षण दौर 1 अक्टूबर, 2026 से 5 अक्टूबर, 2026 तक किया जाएगा। 17 अगस्त, 2026 से 31 अगस्त, 2026 तक स्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध होगा।

2027 की जनगणना के पहले चरण के संचालन हेतु डेटा संग्रह के लिए मोबाइल एप्लिकेशन और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म, जिसमें जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली (सीएमएमएस) पोर्टल शामिल है, को तैनात किया गया है। जनगणना में पहली बार स्व-गणना की सुविधा भी ऑनलाइन वेब पोर्टल के माध्यम से उत्तरदाताओं को दी गई है। जनगणना के दूसरे चरण के लिए डिजिटल उपकरण विकसित किए गए हैं।

राज्य/ एवं संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के समन्वय में अधिसूचित कार्यक्रम के अनुसार जनगणना 2027 के पहले चरण के लिए मास्टर ट्रेनर्स, फील्ड ट्रेनर्स, प्रगणकों, पर्यवेक्षकों इत्यादि का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है/प्रगति पर है।

(घ) और (ङ): अब तक, जनगणना अधिकारियों के प्रशिक्षण, जनशक्ति सहायता, तकनीकी बुनियादी ढांचे, जनगणना अधिकारियों को मानदेय के भुगतान आदि के लिए राज्य/ एवं संघ राज्य क्षेत्रों को ₹4102 करोड़ की कुल राशि जारी की जा चुकी है।

*****